भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-3611
उत्तर देने की तारीख-10/08/2026

आईआईटी में संकाय-विद्यार्थी अनुपात

†3611. **डॉ. शशि थरूर:**

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार अथवा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) परिषद ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों के लिए संकाय-विद्यार्थी अनुपात निर्धारित किया है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा तथा प्रत्येक आईआईटी में वास्तविक संकाय-विद्यार्थी अनुपात क्या है;
(ख) गत पाँच वर्षों के दौरान प्रत्येक आईआईटी में स्थायी तथा आगंतुक संकाय सदस्यों की संख्या का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है तथा क्या उक्त अवधि के दौरान आगंतुक संकाय सदस्यों की संख्या में वृद्धि हुई है;
(ग) गत पाँच वर्षों के दौरान प्रत्येक आईआईटी में स्वीकृत, भरे गए तथा रिक्त संकाय पदों की संख्या तथा प्रत्येक संस्थान में रिक्तियों का वर्ष-वार प्रतिशत क्या है; और
(घ) क्या भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान परिषद ने डॉक्टरेट उपाधि धारक पूर्व छात्रों को स्थायी संकाय के रूप में नियुक्त करने तथा दीर्घ अवधि से कार्यरत आगंतुक/तदर्थ संकाय सदस्यों को स्थायी पदों पर समायोजित करने के लिए कोई प्रोत्साहन योजना, कार्य-निष्पादन मानदंड अथवा वित्तपोषण संबंधी शर्तें निर्धारित की हैं, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री
(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (घ): भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) समय-समय पर यथा संशोधित प्रौद्योगिकी संस्थान अधिनियम, 1961 और उसके अंतर्गत बनाई गई संविधियों द्वारा शासित स्वायत्त संस्थान हैं।

आईआईटी परिषद ने अपनी विभिन्न बैठकों में आईआईटी में संकाय भर्ती को सुविधाजनक बनाने और मजबूत करने के उपायों पर विचार-विमर्श किया है। परिषद ने संकाय भर्ती को एक मुख्य संस्थागत प्राथमिकता के रूप में मान्यता दी है, जिसका सीधा असर शैक्षणिक गुणवत्ता, शिक्षण क्षमता और अनुसंधान उत्कृष्टता पर पड़ता है। जिन उपायों पर चर्चा की गई उनमें रोलिंग और विशेष भर्ती अभियान; अतिथि, सहायक, विजिटिंग फैकल्टी और प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस की नियुक्ति;

विदेशी संकाय और भारत के पात्र प्रवासी नागरिक (ओसीआई) कार्डधारकों की भर्ती की सुविधा; संस्थागत प्रदर्शन-समीक्षा तंत्र; और नियमित रिपोर्टिंग के माध्यम से भर्ती निगरानी को मजबूत करना शामिल हैं।

रिक्तियों का होना और उन्हें भरना एक सतत् प्रक्रिया है। रिक्तियां सेवानिवृत्ति, त्यागपत्र और छात्र नामांकन और शैक्षणिक कार्यक्रमों के विस्तार के कारण अतिरिक्त पदों की आवश्यकता के कारण होती हैं। आईआईटी संकाय भर्ती के लिए उच्च गुणवत्तापूर्ण प्रतिभाओं को आकर्षित करने हेतु रोलिंग विज्ञापन जारी करते हैं, जो वर्षभर खुले रहते हैं। इसके अतिरिक्त, सितंबर 2022 में, शिक्षा मंत्रालय ने सभी केंद्रीय उच्च शिक्षा संस्थानों (सीएचईआई) को रिक्तियों को मिशन मोड में भरने की सलाह दी। सितंबर 2022 से मई 2026 तक किए गए मिशन-मोड भर्ती अभियान के अंतर्गत, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों ने 3,500 से अधिक संकाय रिक्तियों को भरा। वर्तमान में, लगभग 460 विजिटिंग संकाय सदस्य आईआईटी प्रणाली में शिक्षण और शैक्षणिक गतिविधियों में लगे हुए हैं।

इसके अलावा, आईआईटी वास्तविक दुनिया की श्रेष्ठ कार्यप्रथाओं में अंतर्दृष्टि प्रदान करके छात्रों के अनुभवों को बढ़ाने के लिए प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस (पीओपी) को भी नियुक्त करते हैं। पीओपी सार्वजनिक हित और सामाजिक जरूरतों का समर्थन करने वाले शिक्षण और अनुसंधान के अवसरों की पहचान करने के लिए उद्योग और संस्थान के बीच एक सेतु के रूप में भी काम करते हैं। इसके अलावा, आईआईटी विजिटिंग संकाय सदस्यों को भी नियुक्त करते हैं जो शिक्षाविदों या वरिष्ठ उद्योग पेशेवरों से हैं, जो विचारों और दृष्टिकोणों के अंतर-सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए अल्प अवधि के लिए आईआईटी में शामिल होते हैं।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान अपने संस्थानों के पूर्व छात्रों को वर्ष भर खुले विज्ञापनों के अनुसार संकाय पदों हेतु उपस्थित होने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। गुणवत्तायुक्त संकाय को आकर्षित करने के लिए उपाय किए गए हैं जिनमें खोज-सह-चयन प्रक्रियाओं के माध्यम से भर्ती, विशेष भर्ती अभियान, मिशन मोड में भर्ती और पूर्व छात्रों/वैज्ञानिकों/संकाय को आमंत्रित करना आदि शामिल है। आईआईटी द्वारा बहु-चरणीय और सुदृढ़ जांच प्रक्रिया के हिस्से के रूप में पारदर्शी तरीके से आवेदन आमंत्रित करके संकाय भर्ती प्रक्रिया आयोजित की जाती है।

इसके अतिरिक्त, क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2027 में, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) ने उल्लेखनीय स्थान प्राप्त किए हैं। आईआईटी दिल्ली को 118वें (2026 में 123वें), आईआईटी मद्रास को 170वें (2026 में 180वें), आईआईटी खड़गपुर को 205वें (2026 में 215वें), आईआईटी कानपुर को 221वें (2026 में 222वें) स्थान पर रखा गया है।

******